2. अपठित काव्यांश

अभ्यास-कार्य

● **निम्नलिखित काव्यांशों को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उन पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।**

पृष्ठ संख्या–59

काव्यांश-1

बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर–

1. (ग) 2. (ग) 3. (क) 4. (घ) 5. (क)

लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर–

1. कवि भारत के प्राचीन गौरव, प्रतिष्ठा, आत्मसम्मान की देशवासियों को याद दिलाना चाहते हैं और कहते हैं कि यह भावना मिटनी नहीं चाहिए।
2. जिस तरह 'हार' में अलग-अलग रंगों के फूल गूँथे जाते हैं, उसी तरह अलग-अलग जाति, धर्म के लोग मिलकर एक हो जाएँ और भाई-भाई की तरह मिलकर देश की सेवा करें।
3. पुराने अंधविश्वास, ऐसी परंपराएँ जो भेदभाव पैदा करती हों या वे नए विचार जो देश के लिए हितकारी न हों, उन्हें छोड़ने की बात कवि कह रहे हैं।
4. 'हंस' के बारे में कहावत है कि वह नीर-क्षीर (दूध और पानी) को अलग-अलग कर देता है। इसलिए उसकी चतुराई प्रसिद्ध है।
5. कवि ने अपने दुख से ही दूसरों के दुख को अनुभव करने की बात कही है।

पृष्ठ संख्या–59

काव्यांश-2

बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर–

1. (ग) 2. (ख) 3. (ख) 4. (क) 5. (ख)

लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर–

1. वह किसी अन्य पर आश्रित हुए बिना स्वयं अपने जीवन की नाव को खेना चाहते हैं।
2. जीवन में कभी सुख की तो कभी दुख की, कभी स्नेह की तो कभी कटुता की, कभी मस्ती की तो कभी पीड़ा की लहरें आती रहती हैं, जो कवि को पसंद हैं।
3. कवि कहते हैं कि वह उन लोगों में से हैं, जो संघर्ष के पथ पर अबाध गति से बिना रुके और बिना थके आगे बढ़ते रहते हैं।
4. कवि अपनी इच्छा से जीवन व्यतीत करने वाले व्यक्तियों में से हैं। उन्हें किसी का बंधन स्वीकार्य नहीं है।
5. कवि के ऐसे अरमान नहीं हैं, जो छोटी-छोटी बातों से तथा कठिनाइयों से बिखर जाएँ।

पृष्ठ संख्या–60

काव्यांश-3

बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर–

1. (घ) 2. (ग) 3. (ख) 4. (घ) 5. (ग)

लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर–

1. जब उसे संसार में दूसरों से प्रेम और स्नेह नहीं मिलता विश्वास नहीं मिलता है तब इनसान को अकेलापन महसूस होता है।
2. अकेलेपन में कवि को अपने बचपन के दिन और माँ का असीम स्नेह याद आता है।
3. 'सिर पर हाथ फेरना' माँ के अटूट प्रेम और स्नेह का प्रतीक है।
4. बच्चे के प्रति माँ की ममता, प्यार तथा दुलार।
5. **शीर्षक**–'माँ का स्नेह भरा आँचल' या 'माँ की ममता'।

पृष्ठ संख्या–61

काव्यांश-4

बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर–

1. (ग) 2. (क) 3. (ग) 4. (घ) 5. (ख)

लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर–

1. जिस प्रकार वस्त्र नारी की लज्जा को ढकने का कार्य करते हैं, उसी तरह वृक्ष भी पृथ्वी की लज्जा को ढकते हैं। वृक्षों के अभाव में पृथ्वी निर्वस्त्र प्रतीत होती है।
2. कलिंग युद्ध में भयंकर नरसंहार देखकर अशोक को पश्चाताप हुआ था।
3. 'गोद में मुँह छिपाने' का अर्थ है किसी की शरण में जाना। अशोक ने बौद्ध धर्म की शरण ली थी।
4. वृक्ष काटने से फल नहीं मिलते, थके हुए मुसाफ़िरों को शीतल छाया नहीं मिलती तथा वर्षा न होने से हरे-भरे खेत रेगिस्तान में बदल जाते हैं।
5. **शीर्षक** – 'मत काटो पेड़'।

पृष्ठ संख्या–61

काव्यांश-5

बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर–

1. (ग) 2. (घ) 3. (घ) 4. (ग) 5. (क)

लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर–

1. जब चारों ओर धर्म की स्थापना होगी और सब के मन में दूसरों के लिए दया और प्रेम का भाव होगा।
2. इस संसार में बहुत से ऋषि-मुनि, तपस्वी, साधक, समाजसेवी हुए, जिन्होंने लोक-कल्याण के लिए अपना जीवन लगा दिया।
3. कवि उस स्थिति की कल्पना नहीं करते, जब मानव दूसरों को दुख पहुँचाकर सुखी होगा।
4. केवल शब्दों से ही हमने महापुरुषों को सम्मान दिया है, मन से नहीं दिया।
5. कवि के अनुसार मनुष्य अभी भी पुरानी राह पर चल रहा है।

पृष्ठ संख्या–62

काव्यांश-6

बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर–

1. (घ) 2. (घ) 3. (घ) 4. (ग) 5. कथन (ii) और (iv) सही हैं।

लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर–

1. देश केवल ग्राम, नगर या कुछ लोगों का काम नहीं होता है। एक निश्चित भू-भाग में रहने वाले सभी लोगों, सभी प्राकृतिक, कृत्रिम रचनाओं के सम्मिलन से देश बनता है।
2. जहाँ प्रेम होता है, वहाँ का वातावरण प्रेममय और उल्लासपूर्ण होता है।
3. देश का परचम धर्म, जाति और भाषाओं के उच्चस्तरीय होने से ऊँचा होगा।
4. मेरे अनुसार एक देश में निम्नलिखित विशेषताएँ होनी चाहिए–
   (*i*) देश के सभी नागरिकों में प्रेम और भाईचारा होना चाहिए।
   (*ii*) बिना किसी बाहरी देश के दबाव में आए निर्णय लेने की क्षमता होनी चाहिए।
   (*iii*) देश के प्रत्येक नागरिक के अंदर अपनी विशिष्टता बनाए रखने के लिए कुछ अनोखा और सकारात्मक कर गुज़रने की भावना होनी चाहिए।
5. **शीर्षक**–'देश'।

पृष्ठ संख्या–63

काव्यांश-7

बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर–

1. (ख) 2. (ग) 3. (ग) 4. (ख) 5. (घ) कथन (i), (iii) और (iv) सही हैं।

लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर–

1. मंजिल तक पहुँचने में मात्र एक खाई यानी रुकावट ही शेष है। उसे ही कवि पार करने की बात कर रहे हैं।
2. कवि श्रोता को मंज़िल प्राप्त करने के लिए प्रेरित कर रहे हैं।

3. दिशाओं को पुण्य का प्रकाश मिल रहा है।
4. यह कविता स्वतंत्रता पूर्व की पृष्ठभूमि पर लिखी गई है। स्वतंत्रता पाने के लिए आत्मोत्सर्ग करने के पश्चात् आज़ादी के बाद तो अच्छे दिन आएँगे ही। इस पंक्ति से कवि का यही आशय है।
5. इस पंक्ति में 'जाँच' से आशय भारतीय जनता द्वारा सही जाने वाली भीषण यातनाओं से है।

पृष्ठ संख्या–64

काव्यांश-8

बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर–

1. (ख) 2. (ख) 3. (क) 4. (ग) 5. (घ)

लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर–

1. कवयित्री मंदिर में पूजा करने गई थीं।
2. कवयित्री प्रभु की उपासना करने में इसलिए लाचार हैं कि उनके पास प्रभु को अर्पित करने के लिए किसी प्रकार की बाह्य वस्तु नहीं है।
3. गरीब होने के कारण कवयित्री के पास प्रभु को चढ़ाने के लिए मुक्तामणि, बहुमूल्य वस्तुएँ नहीं हैं। धूप, दीप, नैवेद्य नहीं हैं। झाँकी का शृंगार नहीं है। प्रभु को गले में पहनाने के लिए फूलों का हार नहीं है। स्तुति के लिए स्वर में माधुर्य नहीं है। दान-दक्षिणा के लिए कोई सामग्री नहीं है। कवयित्री पूजा की विधि भी नहीं जानती। ये कमियाँ ही कवयित्री को प्रभु वंदना करने में बाधा पहुँचा रही हैं।
4. इस कविता में कवयित्री गरीब वर्ग का प्रतिनिधित्व कर रही हैं।
5. इस पंक्ति द्वारा कवयित्री प्रभु के प्रति अपनी उद्दीप्त भक्ति भावना को प्रकट करना चाहती हैं। खाली हाथ मंदिर आई कवयित्री प्रभु-भक्ति में मतवाली होकर उन्हें प्रेम के लिए प्यासा अपना हृदय दिखाना चाहती हैं।

पृष्ठ संख्या–64

काव्यांश-9

बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर–

1. (क) 2. (ख) 3. (क) 4. (ख) 5. (क)

लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर–

1. कवि को विधाता से कलम रूपी अनमोल रत्न प्राप्त हुआ है। जिस प्रकार राजा सिंहासन पर विराजते हैं, उसी प्रकार ताजों पर कलम आसीन होती है।
2. कलम संसार में क्रांति का बिगुल बजाती है। कलम सच और झूठ का पर्दाफाश करती है। चोरों के पास से कलम अनमोल सत्य रूपी रत्नहार छीन लाती है।
3. कवि अपना लेखन जग को न्योछावर करते हैं, क्योंकि कवि के पास विषय के रूप में सारा ब्रह्मांड है।
4. कलम अपनी लेखनी से प्यार की बीन बजा सकती है। कलम से ही समाज में प्रेम की रसमयी धारा प्रवाहित होती है। समाज में मस्ती का आलम छाता है।
5. कलम में असीम ताकत होती है। कलम से क्रांति होती है, संग्राम छिड़ता है। कलम की ताकत से ही सत्ता के मद में चूर बड़े-बड़े साम्राज्यों का सूर्य अस्त हो जाता है।

पृष्ठ संख्या–65

काव्यांश-10

बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर–

1. (ग) 2. (क) 3. (ग) 4. (घ) 5. (ख)

पृष्ठ संख्या–66

काव्यांश-11

बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर–

1. (ग) 2. (ख) 3. (क) 4. (क) 5. (घ)

पृष्ठ संख्या–67

काव्यांश-12

बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर–

1. (ग) 2. (घ) 3. (ग) 4. (घ) 5. (ख)

काव्यांश-13

बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर–

1. (ग) 2. (ख) 3. (ग) 4. (ख) 5. (घ)

❑❑❑